तापमान
अधिकतम 37.2 डिग्री
न्यूनतम 28.6 डिग्री

हरिभूमि
महासमुंद भूमि
रायपुर, मंगलवार 2 जून 2026

12 चिरायु दल की पहल से 7 माह के मासूम राजकुमार...

12 खेड़ीगांव से चौकबेड़ा तक बनेगी नई सड़क...

सरायपाली | बसना | पिथौरा | बागबाहरा | तुमगांव | खरियार रोड

बाइक से गांजा का अवैध परिवहन, दो लोग गिरफ्तार

भारी मात्रा में शराब ले जा रहे एक बुजुर्ग भी गिरफ्तार, आरोपियों के कब्जे से करीब पांच लाख का गांजा बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

बाइक से गांजा का अवैध परिवहन कर रहे दो लोगों को बागबाहरा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से करीबन पांच लाख रुपए का गांजा बरामद किया गया है। वहीं कोतवाली पुलिस ने शराब दुकान से भारी मात्रा में शराब ले जा रहे 60 वर्षीय बुजुर्ग को धर दबोचा।

मिली जानकारी के अनुसार बागबाहरा पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि दो लड़के अपनी मोटर सायकल के बीच में नीले रंग की प्लास्टिक की बोरी में गांजा रखकर ओडिशा की ओर से आ रहे हैं। इस सूचना के बाद पुलिस ने थाना के सामने एनएच 353 बागबाहरा में घेराबंदी की। कुछ देर में दो लड़के नीले रंग की मोटर सायकल क्रमांक सीजी-09-जेएस-3340 में आते दिखे, जिसे संदेह के आधार पर रोका गया, जिन्होंने अपने नाम प्रेम कुमार पिता संतोष साहू (32 साल) निवासी वार्डनं 14 बोरला थाना बोरला जिला कबीरधाम और बोरी लेकर पीछे बैठे लड़के ने अपना नाम आसीम खान पिता जलील खान (26 साल) निवासी ग्राम गंडई खुर्द थाना पांडातराई जिला कबीरधाम होना बताया। तलाशी के दौरान संदेहियों के कब्जे से 09 किलो 900 ग्राम गांजा बोरी सहित कीमत पांच रुपए होना पाया गया। इसके अलावा आरोपियों के कब्जे से मोटर सायकल बाइक कीमत करीब 70,000 रुपए, दो मोबाइल बरामद किए गए। मामले में आरोपियों के विरूद्ध धारा 20 (बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

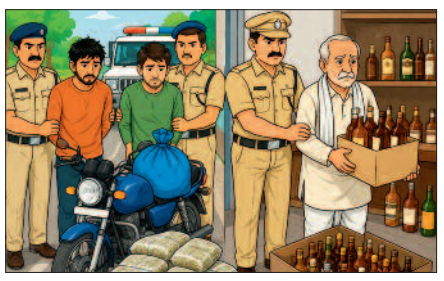

देशी प्लेन शराब जब्त

स्थानीय कोतवाली पुलिस ने एक व्यक्ति के कब्जे से देशी प्लेन शराब जब्त किया है। पुलिस ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति मोटर सायकल सीजी 06 के 9233 में अधिक मात्रा में अवैध शराब रखकर सितली नाला भट्ठी के पास से महासमुंद की ओर निकलने वाला है। इस सूचना के बाद पुलिस ने आरोपी संजय साहू पिता राजेश्वर साहू (60 साल) वार्ड नं 19 बढ़ई पारा महासमुंद के कब्जे से 55 पौवा रोमियो देशी प्लेन शराब कीमत 4400 रुपए व बाइक को बरामद किया। मामले में आरोपी के विरूद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

खबर संक्षेप

सुपरवाइजर की बाइक चोरी

महासमुंद। ग्राम सुनसुनिया में एक घर से बाइक चोरी के मामले में अज्ञात आरोपी के विरूद्ध बागबाहरा थाने में जुर्म दर्ज किया गया है। पुलिस को राजेंद्र कुमार पैकरा ने बताया कि वह वार्ड नं 01 ग्राम सुनसुनिया का निवासी है और स्वास्थ्य विभाग मे सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत है। 17/05/2026 की शाम लगभग 17.30 बजे अपनी ड्यूटी खत्म करने के बाद अपने घर आया और अपनी पुरानी इस्तेमाली मोटर सायकल सीजी 04 एमएच 4723 को घर के सामने खड़ी किया था। अगले दिन सुबह 7.30 बजे जब देखा तब बाइक उक्त जगह पर नहीं थी। रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध धारा 303(2) बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज किया गया है।

महिला से मारपीट, तीन के खिलाफ जुर्म दर्ज

महासमुंद। पुरानी बातों को लेकर ग्राम पतेरापाली की एक महिला के साथ मारपीट के मामले में तीन लोगों के विरूद्ध सरायपाली थाने में जुर्म दर्ज किया गया है। पुलिस को आशा सेन निवासी वार्ड नं 05 डोंगरीपारा पतेरापाली ने बताया कि 24 मई को पुरानी बातों को लेकर ग्राम पतेरापाली के किरण पटेल, बिल्लू पटेल, पूजा सिदार ने गाली गलौज कर हाथ मुक्का व चप्पल से मारपीट किया। मामले की रिपोर्ट पर आरोपियों के विरूद्ध धारा 115(2), 296, 3(5) बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज किया गया है।

बंटवारा को लेकर बड़े भाई से मारपीट

महासमुंद। घर बंटवारा की बात को लेकर बड़े भाई के साथ मारपीट के मामले में आरोपी के विरूद्ध सरायपाली थाने में अपराध दर्ज किया गया है। बाजार पारा वार्ड नं 11 सरायपाली के बजरंग डोंगरी ने पुलिस को बताया कि उसका छोटा भाई दिलीप डोंगरी घर बंटवारा को लेकर विवाद कर झगडा करता रहता है। 31 मई को भी करीबन 2.10 बजे दिलीप डोंगरी ने नशे की हालत में घर बंटवारा करने के बात करते हुए गालियां देते हुए उसके साथ हाथ मुक्का से मारपीट किया।

आयोजन: मौके पर किया गया आवेदनों का निराकरण, दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश

10 वार्डों की समस्याओं के समाधान के लिए लगा शहरी क्षेत्र में शिविर

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

शहरी क्षेत्र के नागरिकों के लिए सोमवार को समाधान शिविर का आयोजन कुंवर दिलीप सिंह जूदेव टाउन हॉल, वार्ड क्रमांक 20 में किया गया। जिसमें वार्ड क्रमांक 02 से वार्ड क्रमांक 11 तक के नागरिकों की मांग एवं समस्याओं के समाधान हेतु शिविर आयोजित किया गया। सुशासन तिहार के अंतर्गत नगर पालिका के प्रथम समाधान शिविर में विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस दौरान छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर, पूर्व राज्य मंत्री पूनम चंद्राकर, नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू, नपा उपाध्यक्ष देवीचंद राठी, जिला स्काउट एवं गाइड संघ के अध्यक्ष ऐतराम साहू, स्थानीय पार्षदगण सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित रहे।

शिविर की शुरुआत में विधायक एवं जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न विभागों के स्टॉलों का अवलोकन कर प्राप्त आवेदनों एवं उनके निराकरण की स्थिति की जानकारी ली। विधायक सिन्हा ने नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

शिविर को संबोधित करते हुए विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने कहा कि सुशासन के माध्यम से प्रत्येक क्षेत्र का समग्र विकास सुनिश्चित किया जाएगा तथा विकास कार्यों के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं है। विधायक सिन्हा ने वर्ष 2047 तक विकसित छत्तीसगढ़ के लक्ष्य को प्राप्त करने में जनसहभागिता की भूमिका बताते हुए कहा कि प्रत्येक 10 से 15 वार्डों के मध्य समाधान शिविर आयोजित कर आमजनों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है।

विधायक सिन्हा ने कहा कि शहर को विकसित और सुव्यवस्थित नगर बनाने के संकल्प के साथ अनेक अधोसंरचनात्मक कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। नगर के चारों ओर सड़कों का निर्माण एवं उन्नयन कार्य जारी है। भविष्य में नयापारा क्षेत्र में बायपास सड़क का निर्माण किया जाएगा तथा नहर लिंकिंग रोड परियोजना भी शीघ्र प्रारंभ होगी। आने वाले समय में महासमुंद को रिंग रोड की सौगात मिलने से यातायात व्यवस्था और अधिक सुगम होगी। उन्होंने विश्वास जताया कि महासमुंद तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर है और आने वाले वर्षों में जिले की पहचान एक विकसित एवं सुविधायुक्त नगर के रूप में स्थापित होगी।

नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू ने कहा कि सुशासन तिहार का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि शिविर में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का गंभीरता से परीक्षण कर नियमानुसार निराकरण किया जाए। ताकि, लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर ने कहा कि राज्य सरकार कृषि, सिंचाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास एवं आधारभूत संरचना के विकास को प्राथमिकता दे रही है। किसानों को बेहतर बीज, उन्नत तकनीक और विभिन्न कृषि योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सके।

जिला स्काउट एवं गाइड संघ के अध्यक्ष ऐतराम साहू ने कहा कि राज्य शासन के नेतृत्व में प्रदेशभर में सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार जनकल्याण और विकास के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा प्रत्येक पात्र हितग्राही को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। नगर पालिका उपाध्यक्ष देवीचंद राठी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक पात्र एवं जरूरतमंद परिवार तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत किए गए सर्वे में शामिल सभी पात्र हितग्राहियों को नियमानुसार आवास का लाभ दिलाया जाएगा।

हितग्राहियों को मौके पर मिला समाधान

इस अवसर पर विधायक एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 5 हितग्राहियों को अनुज्ञा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। शिविर में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना के तहत 35 बच्चों का स्वास्थ्य जांच, 10 गंभीर कुपोषित बालिका को सुपोषण किट, प्रोटीन पाउडर, कैल्शियम व मल्टी विटामिन दिया गया। 40 किशोरी बालिकाओं का हीमोग्लोबिन जांच किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा रक्त परीक्षण, ब्लड प्रेशर एवं मधुमेह की जांच की गई तथा आवश्यक दवाइयों का वितरण किया गया। परिवहन विभाग द्वारा 56 हितग्राहियों का पंजीयन किया गया एवं मौके पर 20 हितग्राहियों को लर्निंग लायसेंस प्रदान किया गया।

यह भी रहे मौजूद

इस अवसर पर विश्वनाथन, पार्षद जय देवांगन, सीता डोंडेकर, पूर्व पार्षद अरविंद प्रहरे, महेंद्र जैन, अमन वर्मा, हनीश बग्गा, राजू चंद्राकर, आनंद साहू, पार्वती साहू, अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं अनुविभागीय अधिकारी अक्षा गुप्ता, सीएमओ एवं डिप्टी कलेक्टर मनोज खांडे एवं नगर पालिका परिषद व विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

पोल और पेड़ से बाइक के टकराने से नाबालिग की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

ग्राम जीवतरा से खट्टी मार्ग में बाइक चला रहे एक 16 वर्षीय किशोर की सीमेंट पोल और पेड़ से टकरा जाने से मौत हो गई।

कोतवाली पुलिस ने बताया कि मर्ग क्रमांक 81/25 धारा 194 बीएनएसएस के तहत मृतक संजय साहू पिता टिकूराम साहू (16 वर्ष) निवासी ग्राम शेर की मर्ग जांच की गई। जांच में पाया गया कि मृतक संजय साहू 27.05.2026 की शाम 04.30 से 05 बजे मोटर सायकल यामाहा आर15 सोल्ड (बिना नंबर) से अपने मामा के घर ग्राम जीवतरा गया था, आधे घंटे रूकने के पश्चात लगभग शाम 05.30 से 06 बजे के मध्य उसी मोटर सायकल को लेकर ग्राम जीवतरा से खट्टी मार्ग की ओर तेजी एवं लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए दुमहानी पहाड़ के पास रोड किनारे छोटे सीमेंट पोल एवं सागौन पेड़ से टकराकर घायल अवस्था में रोड पर पड़ा हुआ था, और बाइक खाई में गिरी थी। घायल संजय साहू को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल महासमुंद लाया गया, जहां डॉक्टर ने परीक्षण के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। मामला में धारा 106(1) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

महिला के साथ मारपीट

महासमुंद। घर के बाहर गली में गाली गलौज कर रहे व्यक्ति ने एक महिला के साथ मारपीट कर दी। रिपोर्ट पर खल्लारी थाने में आरोपी के विरूद्ध जुर्म दर्ज किया गया है। पुलिस को शकुनबाई बघेल ग्राम कोकड़ी ने बताया कि 31 मई की रात 08 बजे से 08.30 बजे के बीच गांव का निरंजन बांधे उसके घर के बाहर गली में गाली गलौज कर रहा था, जिसे उसने मना किया। जिस पर आरोपी ने महिला के साथ हाथ मुक्का और ईंट से फेंककर मारपीट किया। मामले में आरोपी के विरूद्ध धारा 115(2), 296 बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज किया गया है।

पेंड्रावन के राशन कार्डधारकों को खाद्यान्न सामग्री वितरण सुनिश्चित

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

शासकीय उचित मूल्य दुकान पेंड्रावन के वितरण प्रतिशत के संबंध में जांच कर खाद्य निरीक्षक पिथौरा ने बताया कि 29 मई 2026 को उक्त दुकान का वितरण प्रतिशत 32.33 प्रतिशत दर्ज था। जांच के दौरान यह पाया गया कि दुकान संचालन एजेंसी राधा कृष्णा महिला खाद्य सुरक्षा पोषण एवं उपभोक्ता सहकारी समिति मर्या., जामजुड़ा द्वारा माह अप्रैल से जून 2026 के लिए 3 माह का एकमुश्त चावल वितरण तथा माह अप्रैल की अन्य सामग्रियों का वितरण निर्धारित समयावधि में नहीं किया जा रहा था। जांच 07 मई 2026 तक 529 राशन कार्डों में से केवल 104 कार्डधारकों (19.66 प्रतिशत) को ही सामग्री वितरित की गई थी तथा 28 अप्रैल 2026 के बाद वितरण कार्य बंद पाया गया। खाद्य निरीक्षक पिथौरा ने बताया कि दुकान संचालन एजेंसी को कई बार निर्देशित एवं आदेशित किए जाने के बावजूद वितरण व्यवस्था में अपेक्षित सुधार नहीं होने पर हितग्राहियों के हितों को ध्यान में रखते हुए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), पिथौरा को प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। इसके आधार पर दुकान का आबंटन प्राधिकार निलंबित कर शासकीय उचित मूल्य दुकान पेंड्रावन को अस्थायी रूप से शासकीय उचित मूल्य दुकान कुम्हारीमुड़ा, संचालन एजेंसी जय बजरंग किसान महिला स्व सहायता समूह, भुरकोनी से संबद्ध किया गया। हितग्राहियों को खाद्यान्न वितरण में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए समयाभाव को देखते हुए पेंड्रावन के राशन कार्डधारकों को आसपास की दुकानों से भी सामग्री वितरण की व्यवस्था की गई।

अघरिया समाज का बाल सभा एवं प्रतिभा सम्मान समारोह हुआ

विद्यार्थियों और जनप्रतिनिधियों का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ सरायपाली

अखिल भारतीय अघरिया समाज क्षेत्रीय समिति द्वारा फुलझर अघरिया कन्या छात्रावास में क्षेत्रीय स्तर पर बाल सभा एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में समाज के मेधावी छात्रों, जनप्रतिनिधियों तथा विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित कर उनके कार्यों की सराहना की गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, विद्यार्थी एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कक्षा दसवीं में 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 42 विद्यार्थियों तथा कक्षा बारहवीं के 9 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। इसके अलावा समाज से निर्वाचित 26 सरपंचों, 7 जनपद सदस्यों, जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत के अध्यक्षों को अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। समारोह में नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष सरस्वती पटेल, वार्ड क्रमांक 13 के पार्षद गंगाराम पटेल, आईडल पब्लिक स्कूल पाटसेन्द्री के संचालक कपूरचंद पटेल तथा केपी इंटरनेशनल इंग्लिश मीडियम स्कूल चट्टीगिरोला की संचालक मंजू पटेल को भी उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अखिल भारतीय अघरिया समाज की राष्ट्रीय अध्यक्ष उषा पटेल थीं। अध्यक्षता क्षेत्रीय अध्यक्ष नेहरूलाल पटेल ने की। विशिष्ट अतिथियों में प्रेमशीला नायक, तारेश्वरी नायक, विजय विक्की पटेल, प्रमोद पटेल, त्रिलोचन पटेल, कामता प्रसाद पटेल, भोजराज पटेल, मोंगरा पटेल, लक्ष्मी हरिश्चंद्र पटेल, सरस्वती चंद्रकुमार पटेल, मुकेश चौधरी, अरुण कुमार नायक, खेमराज पटेल तथा गंगाराम पटेल, अमृत पटेल जोगनीपाली व पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अमृत पटेल, सीता पटेल शामिल रहे। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि उषा पटेल ने कहा कि प्रतिभा सम्मान जैसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि जब समाज अपने मेधावी बच्चों को सार्वजनिक रूप से सम्मानित करता है तो अन्य विद्यार्थियों को भी बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने यह भी कहा कि समाज के जनप्रतिनिधियों को सम्मानित करने से उनका मनोबल बढ़ता है और वे अपने क्षेत्र में जनहित तथा सामाजिक कार्यों को और अधिक समर्पण के साथ करने के लिए प्रेरित होते हैं। नेहरूलाल पटेल ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। जबकि केंद्रीय प्रतिनिधि नेहरू चौधरी द्वारा समाज का प्रतिवेदन का पाठन किया गया। मंच संचालन राजाराम पटेल व सतीश पटेल व स्वागत गान व छत्तीसगढ़ वंदना का गायन द्वय शैलेंद्र नायक व जन्मजय नायक ने किया।

समारोह के दौरान क्षेत्रीय समिति के कोषाध्यक्ष लव कुमार पटेल ने आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया। आभार प्रदर्शन वरिष्ठ उपाध्यक्ष जितेंद्र पटेल ने किया। कार्यक्रम में संयोजकद्वय प्यारेलाल पटेल व डोलचंद पटेल, अंचल प्रभारी अरूण नायक, परिक्षेत्रीय अध्यक्ष रूपलाल नायक, भोलानाथ नायक, शोभाराम पटेल, बलिराम पटेल, धनीराम पटेल, श्यामलाल पटेल, हृदयराम नायक, शंकर लाल नायक, गंगाधर पटेल, हेमसागर चौधरी, अमिताभ चौधरी, रामेश्वर पटेल, महिला संयोजिका सावित्री पटेल, युवा संयोजक संजय चौधरी, विजय पटेल आदि मौजूद रहे।

देशव्यापी खेत बचाओ अभियान कार्यक्रम 1 से 30 जून तक

महासमुंद। रासायनिक उर्वरकों के सीमित व समझदारी पूर्ण उपयोग और प्राकृतिक खेती के प्रति किसानों व आम नागरिकों में जागरुकता और जनभागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से जिले में कृषि विभाग द्वारा 01 जून से 30 जून 2026 तक देशव्यापी खेत बचाओं अभियान का आयोजन किया जा रहा है। रासायनिक उर्वरक के उपयोग से जमीन की प्राकृतिक उपजाउ क्षमता और दीर्घकालिक उत्पादन लगातार घट रहा है। भारत सरकार द्वारा नवंबर 2024 से राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन चलाया जा रहा है, जो पारंपरिक ज्ञान पर आधारित एक टिकाऊ एवं आर्थिक रूप से व्यवहार्य विकल्प है। इसके साथ ही देश को खाद्य तेलों के क्षेत्र में आत्मर्भिर बनाने और आयात पर निर्भरता घटाने के लिए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन-तिलहन भी लागू किया गया है। किसानों के मध्य रासायनिक उर्वरकों के असंतुलित उपयोग से मृदा स्वास्थ्य पर प्रभाव तथा प्राकृतिक खेती के महत्व पर वैज्ञानिक परिचर्चा एवं जैविक उत्पाद संबधी जानकारी प्रदान की गई। किसानों के मध्य कृषक चौपाल लगाकर हरी खाद एवं नील हरित काई के उपयों को विस्तार से समझाया गया। यूरिया/डीएपी के विकल्प के रूप में एनपीके एसएसपी, जैव उर्वरक, नैनो यूरिया, नैनो डीएपी, जैविक खाद, सूक्ष्म पोषक तत्व के उपयोग तथा मृदा स्वास्थ्य कार्ड की अनुशंसा अनुरूप उर्वरक हेतु व्यापक जन-जागरूकता कार्यकम ग्राम स्तर एवं विकासखंड स्तर पर किया जा रहा है। खेत बचाओ अभियान के तहत ग्राम धौराभाटा विखं बागबाहरा में किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें कृषकों को प्राकृतिक खेती के लिए प्रेरित किया गया। हरी खाद, वेस्ट डिकंपोजर, नील हरित शैवाल का खेती में उपयोग का संक्षेप में जानकारी प्रदान किया गया। पराली न जलाने का संदेश देते हुए पराली का उचित प्रबंधन करने के लिए वेस्ट डिकंपोजर का प्रयोग एवं उपस्थित कृषकों को वेस्ट डिकंपोजर बनाने की विधि कर दिखाया गया।

आईपीएल का जश्न...ट्रैफिक जाम भी

रायपुर। आईपीएल-2026 के फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटंस के बीच हुए मुकाबले के बाद चैम्पियन टीम आरसीबी के समर्थन में जश्न मनाने बड़ी संख्या में युवा एवं किशोर जय स्तंभ चौक पहुंच गए। जहां पोस्टर-झंडे लहराते और नारे लगाते हुए युवा उत्साहित होते रहे। इस दौरान चौक पर ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और हुल्लड़ मचा रहे युवाओं को हल्का बल प्रयोग कर वहां से हटाया, जिसके बाद ट्रैफिक बहाल हो सका।

खबर संक्षेप

नारायणी बहुभाषी संग्रहालय ने लगाई प्रदर्शनी

रायपुर। हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर प्रेस क्लब रायपुर द्वारा राम मंदिर स्थित सुंदर भवन और छत्तीसगढ़ मित्र एवं कान्यकुब्ज सभा शिक्षा मंडल के संयुक्त तत्वावधान में बैरन बाजार स्थित आशीर्वाद भवन में शनिवार को विभिन्न आयोजन किया गया। इन दोनों ही आयोजनों में नारायणी बहुभाषी संग्रहालय ने 30 से अधिक भाषाओं के समाचार पत्रों, 20 से अधिक भाषाओं में प्रकाशित रामायण की प्रदर्शनी लगाई। संग्रहालय के राजेंद्र ओझा ने बताया कि, इस प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ी, संस्कृत, हरियाणवी, गढ़वाळी, खासी, उर्दू, कोंकणी, कन्नड़, पंजाबी, बोडो, ओड़िया, मराठी, मलयालम, गुजराती, सिंधी, असमिया, डोगरी, किरातराई, भूटिया, लिम्बु, तिब्बतन भोटी, मंगर, तमांग, सुनुवार (मुखिया), गुरुंग, लेप्चा, शेरपा, नेपाली सहित अमेरिका, नीदरलैंड, चेकोस्लोवाकिया, जर्मनी, थाईलैंड, ऑस्ट्रेलिया आदि देशों के समाचार पत्र भी प्रदर्शित किए गए थे।

पुराने लेन-देन को लेकर युवक से मारपीट

रायपुर। रायपुरा क्षेत्र में पुराने पैसों के लेन-देन को लेकर हुए विवाद में एक युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। घटना में युवक को चोटें आई हैं, जिसके बाद उसने अस्पताल में उपचार कराकर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार, विकास विहार कॉलोनी रायपुरा निवासी एक युवक बैटरी डिजाइन इंजीनियर के रूप में कार्यरत है और बी-टेक की पढ़ाई कर चुका है। वह 29 मई की रात अपने दोस्तों राहुल श्रीवास, कुनाल साहू और पीयूष के साथ स्कूटी से रायपुरा बस्ती होते हुए सरोना जा रहा था। जब वह निषादपारा रायपुरा स्थित गोठान के पास पहुंचा, तब वहां खड़े राजा निषाद और छोटू पाल ने उसे आवाज देकर रोका और पुराने पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद शुरू कर दिया।

राजधानी की चारों दिशाओं में तालाब संरक्षण महाभियान

रायपुर। ग्रीन आर्मी छत्तीसगढ़ द्वारा रायपुर शहर के विभिन्न तालाबों के संरक्षण, पुनर्जीवन एवं स्वच्छता हेतु व्यापक जनअभियान चलाया जा रहा है। संस्था द्वारा तालाबों के संरक्षण, गहरीकरण, जल शुद्धिकरण व्यवस्था तथा तालाबों में मिल रहे गंदे नालों पर रोक लगाने सहित विभिन्न जनहितकारी मांगों को लेकर नगर निगम कमिश्नर को ज्ञापन सौंपा गया है। प्रदेश मीडिया प्रभारी शशिकांत यदु ने विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि ग्रीन आर्मी द्वारा वर्तमान में हांडी तालाब तात्यापारा, बंधवा तालाब लाखेनगर, गोपिया डबरी प्रोफेसर कॉलोनी मार्ग, महाराजबंध तालाब पुरानी बस्ती, बदलवा तालाब लाखेनगर, आमा तालाब-1 एवं आमा तालाब-2 देवपुरी, राजा तालाब, कल्याण सागर गदही तालाब रायपुरा, आत्मानंद तालाब चौबे समता कॉलोनी तथा भुईंया तालाब टाटीबंध, शीतला तालाब सहित रायपुर के 11 प्रमुख तालाबों के संरक्षण हेतु सक्रिय रूप से कार्य किया जा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष एवं संस्थापक अमिताभ दुबे, रायपुर जिला अध्यक्ष गुरदीप टुटेजा, भारती श्रीवास्तव ब्लू विंग अध्यक्ष, मोनिका बागरेचा ग्रीन विंग अध्यक्ष, संजय भौमिक ब्राउन विंग अध्यक्ष, श्याम बघेल व्हाइट विंग अध्यक्ष समेत पदाधिकारी, सदस्य महाभियान में जुटे हुए हैं।

निगम का विद्युत विभाग फिसड्डी, शिकायत के बाद भी सुधर नहीं रही व्यवस्था

अंधेरे में सिस्टम, स्ट्रीट लाइट की थोक में शिकायतें, पर समाधान नहीं, निगम लाचार

रहवासी नाराज सुशासन तिहार में कर रहे स्ट्रीट लाइट बंद की शिकायतें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नगर निगम का विद्युत विभाग शहर सहित आउटर इलाकों में स्थित वार्डों में आमजनों को स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था देने के मामले में फिसड्डी साबित हो रहा है। हालत ये है कि स्ट्रीट पोल में लगी पुरानी लाइट की मरम्मत समय पर नहीं हो रही है, बंद पड़ी स्ट्रीट लाइट्स को बदला नहीं जा रहा है। पार्षदों द्वारा स्ट्रीट लाइट की मांग करने पर उनकी अनदेखी की जा रही है। विभाग के संबंधित अधिकारी के टालमटोल पूर्ण रवैये से भी लोग बेहद परेशान हैं। महापौर और निगम आयुक्त से शिकायत के बाद अब सुशासन तिहार में भी स्ट्रीट लाइट की समस्या की शिकायत लोग खुलकर कर रहे हैं।

शिकायतों पर ध्यान देंगे

शहर के जिन इलाकों में स्ट्रीट लाइट्स खराब होने और नए पोल पर स्ट्रीट लाइट नहीं लगने की शिकायतें आ रही हैं, जानकारी लेकर उसकी समीक्षा की जाएगी। इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को स्ट्रीट लाइट व्यवस्था सुधारने निर्देशित किया जाएगा।

- संबित मिश्रा, आयुक्त नगर निगम रायपुर

केस 1

वीर शिवाजी वार्ड में 60 लाइटें बंद, 20 दिन से शिकायत

नगर निगम जोन 1 के वीर शिवाजी वार्ड के साहूपारा, शिवानंद नगर खमतराई, नीम डबरी तालाब इलाका, ब्रम्हदेईपारा, संन्यासी पारा, शहीद नगर, खमतराई बाजार मुख्य मार्ग, संतोषी नगर में 20 दिनों से स्ट्रीट लाइटें बंद हैं। वार्ड पार्षद और जोन अध्यक्ष गज्जू साहू ने जोन में इसकी शिकायत की तो जवाब मिला, लाइट उपलब्ध नहीं है। इससे लोगों को अंधेरे में परेशानी हो रही है। उनका कहना है कि वार्ड में 60 स्ट्रीट लाइटें बंद हैं, जिन्हें रिपेयर भी नहीं किया जा रहा है। इसलिए अब वे सीधे निगम आयुक्त को इसकी शिकायत करेंगे।

केस 2 **यहां स्ट्रीट लाइट खराब, बदल नहीं रहे**

बाबू जगजीवनराम वार्ड की डूंडा बस्ती, देवपुरी और डूमरतराई इलाके में स्ट्रीट लाइटें खराब होने से लोग परेशान हैं। पुरानी लाइट की रिपेयरिंग नहीं हो रही और नई लाइट उपलब्ध नहीं कराई जा रही। इससे रहवासी इलाके में अंधेरा होने से लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। वार्ड पार्षद मनोज जांगड़े ने बताया कि जोन 10 कमिश्नरी में इसकी शिकायत की है, इसके बाद भी स्ट्रीट लाइट्स बदली नही जा रही है। जोन में हुई समीक्षा बैठक में भी हमने स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था सुधारने की मांग की थी। निगम मुख्यालय में बैठे विद्युत विभाग के संबंधित अधिकारी स्ट्रीट लाइट की समस्या पर ध्यान नहीं दे रहे। इससे लोगों में आक्रोश की स्थिति है। सुशासन तिहार में इस बार स्ट्रीट लाइट की शिकायत बड़ी संख्या में लोग करने वाले हैं।

केस 3 **कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड**

नई कालोनियों में 3 साल से नए पोल, लाइट ही नहीं

नगर निगम के जोन-10 स्थित कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड के अक्षत विहार, सिद्धि विनायक कॉलोनी, ग्रीन सिटी, दुर्गा विहार कॉलोनी में प्रकाश व्यवस्था के लिए 3 साल पहले नगर निगम की ओर से नए स्ट्रीट पोल लगवाए गए, पर आज तक इन स्ट्रीट पोल्स पर लाइट नहीं लगाई जा सकी है। इससे लोगों को स्ट्रीट लाइट की सुविधा का लाभ नहीं मिल पा रहा है। जबकि लोगों ने मकान बनाने से पहले नक्शा पास कराते समय विकास शुल्क की राशि जमा करा दी थी। वार्ड पार्षद सुषमा-तिलक साहू ने बताया कि नई कॉलोनियों में 550 स्ट्रीट लाइट की जरूरत है। बिना स्ट्रीट लाइट के विद्युत पोल महज शोपीस बनकर रह गए हैं।

केस 4 **संत रविदास वार्ड**

नगर निगम जोन 8 के संत रविदास वार्ड स्थित रायपुरा के बघवा तालाब गार्डन के दोनों तरफ तालाब सौंदर्यीकरण के दौरान लाखों खर्च कर लगाई गई स्ट्रीट लाइटें कभी कभार ही जलती हैं। इसके चलते शाम ढलते ही इस क्षेत्र में अंधेरा होने से रायपुरा, विप्रनगर सहित आसपास के रहवासियों को परेशानी हो रही है। इसी तरह विप्रनगर की स्ट्रीट पोल शो पीएस बने हुए हैं। जोन 8 कमिश्नरी में शिकायत के बाद भी बंद पड़ी स्ट्रीट लाइट्स को चालू नहीं कराया जा रहा है। बगीचे के एक तरफ की लाइट बंद रहने से लोग शाम के समय चाहकर भी यहां नहीं आ रहे। अंधेरा होने से असमाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है। स्ट्रीट लाइट की समस्या को लेकर निगम के संबंधित इंजीनियर का कहना है कि सिंगल फेस होने से लोड की समस्या है, इसलिए थ्री फेस कनेक्शन के साथ नया मीटर लगवाने नगर निगम ने सीएसईबी में राशि जमा करा दी है। जल्द ही बघवा तालाब और विप्रनगर में स्ट्रीट लाइट की सुविधा लोगों को मिलने लगेगी।

केस 5

जवाहर लाल नेहरू वार्ड

लाइटें बंद, सुनते नहीं अधिकारी

हाल ही में शहर में तेज आंधी तूफान के दौरान वार्ड के कई इलाकों की स्ट्रीट लाइटें बंद हो गई, इसे सुधारने निगम मुख्यालय के विद्युत विभाग के अधिकारी से आग्रह किया, पर उन्होंने अब तक केवल आश्वासन ही दिया है, वार्ड में झांकने तक नहीं आए। ये कहना है पं. जवाहरलाल नेहरू वार्ड के पार्षद भगतराम हरवंश का। उन्होंने बताया कि जय भीम नगर, एकता नगर, कबीर नगर, एकता कालोनी की स्ट्रीट लाइटें बंद हैं। कम से कम 260 स्ट्रीट लाइटों की जरूरत है। जनता की परेशानी को देखते हुए पार्षद निधि से 1.50 लाख रुपए की स्ट्रीट लाइटें खरीदने प्रस्ताव बनवा रहे हैं।

सरकारी अस्पतालों तक सीमित पीएम राहत योजना

30 से ज्यादा घायलों को मुफ्त इलाज

अस्पतालों में मरीजों का इलाज कराने कवायद जारी अब तक 5 केस में भुगतान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सड़क हादसे में घायल होने वालों में सात दिनों तक डेढ़ लाख कैशलेस इलाज की सुविधा अभी सरकारी अस्पतालों तक सीमित है। रायपुर जिले में अब तक 30 से ज्यादा घायलों को इस कैशलेस स्कीम का लाभ मिला है। रायपुर जिला योजना में इलाज कराने और संबंधित अस्पतालों को भुगतान कराने में प्रदेश में अव्वल है। निजी अस्पतालों में इस योजना को लागू करने करने के लिए स्वास्थ्य विभाग की कवायद जारी है। प्रधानमंत्री राहत योजना के तहत सड़क हादसे का शिकार होने वाले मरीजों को किसी भी अस्पताल में सात दिनों तक डेढ़ लाख तक के निशुल्क इलाज की योजना लागू की गई है। इस योजना का क्रियान्वयन छत्तीसगढ़ में किया जा रहा है और रायपुर जिला इस मामले में अव्वल है। जिले के शासकीय डीकेएस सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल में ऐसे 30 से ज्यादा मरीजों को योजना के तहत निशुल्क सुविधा का लाभ मिला है, यानी ऐसे मरीज आयुष्मान योजना के हितग्राही नहीं होने के बाद भी कैशलेस इलाज का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

भुगतान पर अटक रहा मामला

सूत्रों के अनुसार योजना में निजी अस्पतालों के शामिल होने का मामला भुगतान प्रक्रिया पर अटक रहा है। इस योजना में उन्हीं अस्पताल को पंजीकृत माना गया है, जो आयुष्मान की इंपैनल्ड लिस्ट में शामिल हैं। आयुष्मान योजना में भुगतान राशि के मामले में कटु अनुभव से गुजरने वाले हास्पिटल इसकी शीघ्र प्रक्रिया के लिए आश्वस्त होना चाहते हैं। स्वास्थ्य विभाग भी निजी हास्पिटलों को इस योजना से जोड़ने की कवायद में जुटा हुआ है।

आर्थिक बोझ कम करना उद्देश्य

सूत्रों के अनुसार इस योजना का उद्देश्य एक्सीडेंट का शिकार होने वाले मरीज और उसे परिवार का आर्थिक बोझ कम करना है। इसके अलावा एक्सीडेंट के आंकड़ों के आधार पर समीक्षा के बाद इसके रोकथाम के लिए आवश्यक उपाय किया जाना है। इस योजना को सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की एक पहल पर लागू किया गया है। साथ ही इसमें स्वास्थ्य, पुलिस, नगरीय प्रशासन, परिवहन विभाग को भी शामिल किया गया है।

मिल रहा लाभ

योजना के अंतर्गत एक्सीडेंट में घायल होने वालों को लाभ मिल रहा है। रायपुर जिले में एक 83 साल के बुजुर्ग का इस योजना के तहत इलाज कराया गया है। योजना के तहत इलाज के भुगतान की प्रक्रिया तेजी से कराने के मामले में रायपुर छत्तीसगढ़ में अव्वल है।

डॉ. सार्थक नंदा, जिला नोडल, पीएम राहत योजना

किसानों की बढ़ी चिंता

मांग अधिक होने से महामाया की आपूर्ति में लेटलतीफी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खरीफ सीजन में छत्तीसगढ़ के किसानों को महामाया धान बीज की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। सहकारी समितियों और बीज केंद्रों में मांग के अनुरूप बीज उपलब्ध नहीं होने से किसानों में चिंता बढ़ गई है। समय पर बीज नहीं मिलने से धान की बोनी और रोपाई प्रभावित होने की आशंका है।

किसानों ने कृषि विभाग से महामाया बीज की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की है। बताया जाता है कि राजनांदगांव, धमतरी, कबीरधाम और अन्य धान उत्पादक जिलों में किसानों द्वारा महामाया धान बीज की उपलब्धता को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है। हालांकि रायपुर और दुर्ग जिले में कृषि विभाग ने पर्याप्त बीज उपलब्ध होने का दावा किया है, लेकिन किसानों का कहना है कि लोकप्रिय किस्मों की मांग के अनुरूप आपूर्ति नहीं हो रही है।

मध्यम अवधि वाली किस्मों की मांग

खास खबर

सिंचित क्षेत्रों में मध्यम अवधि वाली किस्में तथा वर्षा आधारित क्षेत्रों में जल्दी पकने वाली किस्मों का वितरण किया जाता है। समितियों के प्रबंधकों का कहना है कि हाल के वर्षों में किसानों द्वारा सबसे अधिक मांग वाली किस्मों में महामाया, राजेश्वरी और एमटीयू-1010 शामिल हैं। इसके चलते कुछ समितियों में इनकी अस्थायी कमी की शिकायतें भी सामने आती हैं। राज्य सरकार और बीज निगम हर खरीफ सीजन में लाखों क्विंटल प्रमाणित बीज सहकारी समितियों के माध्यम से उपलब्ध कराते हैं।

प्रदेश में 4.87 लाख क्विंटल बीज का भंडारण

खरीफ 2026 के लिए किसानों की मांग के अनुरूप लगभग 4.95 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज की मांग दर्ज की गई थी, जिसके विरुद्ध लगभग 4.87 लाख क्विंटल बीज का भंडारण किया गया। इसमें में धान के बीज के जिए 168626 क्विंटल का भंडारण किया गया है। इनमें से 18752 क्विंटल बीज वितरित किए जा चुके हैं। समितियों में 149513 क्विंटल शेष है।

कांजी हाउस में गोमाता को 33 प्रकार के फलों का भोग किया अर्पित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पवित्र पुरुषोत्तम मास की पूर्णिमा तिथि के अवसर पर सामाजिक संस्था जिंदगी ना मिलेगी दोबारा परिवार द्वारा लाखेनगर स्थित कांजी हाउस में गोसेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर संस्था के सदस्यों ने गोमाताओं को 33 प्रकार के फलों का भोग अर्पित किया। संस्था विगत 4 वर्षों से निरंतर चोकर, कुट्टी, तिवरा, फल्ली एवं हरी सब्जियां खिलाकर गोसेवा का कार्य कर रही है। संस्था द्वारा घुमंतू गोमाताओं को सड़क दुर्घटनाओं से बचाने के लिए उनके गले में रेडियम पट्टी लगाने का कार्य भी किया जा रहा है, जिससे रात्रि के समय वाहन चालकों को गोवंश दूर से ही दिखाई दे सके। संस्था की संस्थापक सुषमा तिवारी ने बताया कि 33 कोटि देवी-देवताओं से प्रार्थना करते हुए संस्था समाज को यह संदेश देना चाहती है कि गोमाताओं की रक्षा करना हम सबका नैतिक कर्तव्य है। साथ ही संस्था ने शासन-प्रशासन से निवेदन किया है कि गोमाता को राष्ट्रमाता घोषित किया जाए एवं उनकी निर्मम हत्या पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाने की मांग की गई। कार्यक्रम में ममता बड़गैय्या, स्वाति सोनी, सीमा विजय शर्मा, वर्षा दुबे, लता साहू, विनीता शर्मा, राधिका सोनकर, संध्या दुबे, सरिता विश्वकर्मा, अविनाश दुबे आदि उपस्थित रहे।

जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन की कमान अब डॉ. पीयूष श्रीवास्तव के हाथों

कहा- रेजिडेंट डाक्टरों और चिकित्सा छात्र के हितों की रक्षा करना प्राथमिकता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रेजिडेंट डाक्टरों एवं चिकित्सा छात्रों के प्रमुख संगठन यानी जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन की कमान अब डॉ. पीयूष श्रीवास्तव के हाथों में होगी। पूर्व अध्यक्ष डॉ. रेशम सिंह का कार्यकाल पूरा होने के बाद डॉ. पीयूष को जूडा अध्यक्ष निर्वाचित किया गया है। नए अध्यक्ष ने कहा कि उनकी प्राथमिकता लक्ष्य मेडिकल छात्रों एवं जूनियर डॉक्टरों के शैक्षणिक, व्यावसायिक और सामाजिक हितों की रक्षा करना है।

जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष का निर्वाचन एक साल के लिए होता है। पूर्व अध्यक्ष डॉ. रेशम सिंह का कार्यकाल पूरा होने के बाद जूडा का नेतृत्व डॉ. पीयूष श्रीवास्तव को दिया गया है। फोरेंसिक डिपार्टमेंट से पीजी डॉक्टर पीयूष ने इस दौरान कहा कि बेहतर चिकित्सा शिक्षा, सुरक्षित कार्य वातावरण, स्टाईपेंड एवं छात्र कल्याण से जुड़े मुद्दे उनकी प्राथमिकता होंगे। साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य जागरूकता, जनसेवा गतिविधियों के माध्यम से समाज के प्रति संगठन की जिम्मेदारी को और मजबूत करने का संकल्प व्यक्त किया। इस दौरान सीजीडीएफ के अध्यक्ष डॉ. हीरा सिंह लोधी ने डॉ. पीयूष श्रीवास्तव के निर्वाचित होने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि डॉ. पीयूष के नेतृत्व में संगठन चिकित्सकों, रेजिडेंट डॉक्टरों एवं मेडिकल छात्रों के हितों की रक्षा के लिए और अधिक मजबूती से कार्य करेगा। उन्होंने पूर्व अध्यक्ष डॉ. रेशम सिंह के संघर्षशील एवं दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके कार्यकाल ने जेडीए रायपुर को नई दिशा, नई पहचान और नई ऊर्जा प्रदान की है। उन्होंने चिकित्सकों एवं मेडिकल छात्रों से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाकर संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ डॉक्टर फेडरेशन चिकित्सकों के अधिकारों, सम्मान और कल्याण के लिए सदैव उनके साथ खड़ा रहेगा।

समान काम, समान वेतन पर दिया जोर

न्यूनतम मूल वेतन 30 हजार रुपए करने की मांग

फेडरेशन ने मजदूरी संहिता प्रारूप को लेकर श्रम विभाग को भेजे सुझाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ प्रगतिशील अनियमित कर्मचारी फेडरेशन ने मजदूरी संहिता 2026 के प्रारूप को लेकर श्रम विभाग को सुझाव भेजे हैं। फेडरेशन ने कहा है कि शासकीय कार्यालयों में काम कर रहे अनियमित कर्मचारियों के हित में नियमों में बदलाव किए जाने चाहिए। फेडरेशन के प्रांतीय अध्यक्ष गोपाल प्रसाद साहू ने शासन को बिंदुवार सुझाव दिए हैं। इनमे प्रमुख रूप से समान काम, समान वेतन पर जोर दिया गया है, इसके साथ ही न्यूनतम मूल वेतन 30 हजार रुपए करने की मांग की गई है। साथ ही आवासीय किराया व्यय, जो भोजन और वस्त्र व्यय 10 फीसदी प्रस्तावित किया गया है, उसे 30 फीसदी करने, बच्चों की शिक्षा व्यय, चिकित्सा आवश्यकताएं, मनोरंजन और अन्य आकस्मिक व्यय जो न्यूनतम मजदूरी का 25 फीसदी होगा, इसमें संचार सुविधा, जैसे मोबाइल को भी जोड़ने और 25 फीसदी में वृद्धि कर 35 फीसदी करने का सुझाव दिया गया है। इसी तरह मजदूरी की न्यूनतम दर नियत करने के मापदंड उपनियम में शासकीय क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों को जोड़ने, प्रावधानित तकनीकी समिति में कर्मचारी संघ के प्रतिनिधियों को सम्मिलित करने सचिव छत्तीसगढ़ शासन श्रम विभाग को सुझाव प्रेषित किया है। फेडरेशन के प्रदेश उपाध्यक्ष युगल किशोर साहू ने कहा, न्यूनतम मूल वेतन 2017 में पुनरीक्षित किया गया था।

खबर संक्षेप

हिंदी पत्रकारिता की दो शताब्दियों की गौरवपूर्ण यात्रा और वर्तमान स्वरूप पर चर्चा

रायपुर। कान्यकुब्ज सभा शिक्षा मंडल एवं छत्तीसगढ़ मित्र मंडल के संयुक्त तत्वावधान में हिंदुस्तान के प्रथम हिंदी समाचार पत्र 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रकाशन के 200 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रविवार को विशेष परिचर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने 'उदन्त मार्तण्ड' के 200 वर्ष पूर्ण होने को हिंदी पत्रकारिता के इतिहास का एक गौरवपूर्ण एवं प्रेरणादायी अवसर बताते हुए पत्रकारिता के मूल्यों, निष्पक्षता और सामाजिक उत्तरदायित्व को बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में हिंदी पत्रकारिता की दो शताब्दियों की गौरवपूर्ण यात्रा, उसके संघर्ष, विकास और वर्तमान स्वरूप पर विस्तृत चर्चा की गई। इस मौके पर डॉ. सुशील त्रिवेदी ने हिंदी पत्रकारिता की परंपरा एवं उसके सामाजिक दायित्वों पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता डॉ. श्रीराम परिहार ने 'उदन्त मार्तण्ड' से लेकर वर्तमान डिजिटल पत्रकारिता तक की 200 वर्षों की ऐतिहासिक यात्रा का विस्तृत एवं तथ्यपरक विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार विभिन्न कालखंडों में हिंदी पत्रकारिता ने समाज जागरण, राष्ट्रीय चेतना तथा जनमत निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में सुरेश मिश्रा, प्रख्यात साहित्यकार एवं चिंतक डॉ. श्रीराम परिहार, डॉ. सुशील त्रिवेदी, वीरेंद्र पाण्डेय, डॉ. प्रभात मिश्रा, डॉ. शशांक शर्मा, डॉ. रविन्द्र मिश्रा, डॉ. श्रीचंद मिश्रा, डॉ. सुधीर शर्मा, बड़ी संख्या में साहित्य, पत्रकारिता एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े नागरिक उपस्थित रहे।

आंधी-तूफान के 48 घंटे बाद भी सिरको अंधेरे में, बिजली बहाल नहीं होने से बढ़ी परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बसना

शनिवार शाम आई तेज आंधी, तूफान और बारिश के बाद ग्राम सिरको सहित आसपास के क्षेत्रों में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। प्राकृतिक आपदा के 48 घंटे बीत जाने के बाद भी कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी है, जिससे ग्रामीणों को भीषण गर्मी और नवतपा के मौसम में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि तेज हवा के कारण अनेक स्थानों पर पेड़-पौधे उखड़ गए, बिजली के खंभे और तार क्षतिग्रस्त हो गए तथा कई मकानों की सीट और छप्पर भी उड़ गए,बिजली के खंबे तक टूटे पड़े मुख्य मार्गों पर पेड़ गिरने से घंटों तक यातायात बाधित रहा। आपदा के बाद राहत एवं मरम्मत कार्यों में अपेक्षित शासकीय सहायता नहीं मिलने से ग्रामीण स्वयं श्रमदान कर रास्ते साफ करने और अन्य समस्याओं के समाधान में जुटे रहे। बिजली आपूर्ति ठप होने से गांव में पेयजल संकट भी गहरा गया है। नवतपा की भीषण गर्मी में लोगों को नहाने, खाने-पीने तथा शौचालय उपयोग जैसी दैनिक आवश्यकताओं के

लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। कई मोहल्लों में ग्रामीणों ने निजी जनरेटर की व्यवस्था कर नलकूपों से पानी निकालकर किसी तरह अपनी जरूरतें पूरी कीं।

ग्रामीणों का आरोप है कि संबंधित अधिकारियों से संपर्क करने पर कर्मचारियों की कमी का हवाला दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि फॉल्ट की तलाश की जा रही है तथा बिजली बहाली में अभी दो दिन और लग सकते हैं। हैरानी की बात यह है कि समाचार लिखे जाने तक सिरको गांव में विद्युत विभाग का कोई कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा था। वहीं जलापूर्ति व्यवस्था को लेकर भी ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि जल जीवन मिशन के तहत लगभग 98 लाख रुपए की लागत से योजना स्वीकृत होने के बावजूद अब तक कई स्थानों पर पाइपलाइन तक नहीं बिछाई जा सकी है। परिणामस्वरूप बिजली संकट के दौरान ग्रामीणों को पानी के लिए भी भारी मशक्कत करनी पड़ रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र बिजली आपूर्ति बहाल करने, क्षतिग्रस्त विद्युत ढांचे की मरम्मत कराने तथा पेयजल की वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

मनमानी : पंचायत स्तर पर विभिन्न विकास कार्य लंबित

कार्यालयीन समय में सचिव की अनुपस्थिति, भटक रहे ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ⏭ बसना

ग्राम पंचायत सिरको में कार्यालयीन

- **मामला सिरको पंचायत का, विकास कार्यों की लक्ष्य और पूर्णता पर उठे सवाल**

समय के दौरान पंचायत सचिव के अनुपस्थित पाए जाने से ग्रामीणों में नाराजगी देखने को मिली। पंचायत एवं ग्रामीण विकास कार्यों का जायजा लेने पहुंचे मीडियाकर्मियों द्वारा आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान पंचायत कार्यालय में सचिव मौजूद नहीं मिले।

मीडियाकर्मियों ने पंचायत सचिव अरुण बुड़ेक से मोबाइल फोन के माध्यम से संपर्क किया, जिस पर उन्होंने निवास में होने की जानकारी दी। कार्यालयीन समय में सचिव की अनुपस्थिति को लेकर

ग्रामीणों ने पंचायत कार्यों के संचालन और विकास योजनाओं के क्रियान्वयन पर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत स्तर पर विभिन्न विकास कार्य लंबित पड़े हुए हैं, वहीं आवश्यक दस्तावेजी कार्यों एवं प्रमाण पत्र संबंधी कार्यों के लिए लोगों को बार-बार पंचायत कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं।

ऐसे में जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारियों की अनुपस्थिति से आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यदि पंचायत सचिव नियमित रूप से कार्यालय में उपस्थित नहीं रहेंगे तो ग्रामीण विकास योजनाओं का प्रभावी संचालन संभव नहीं हो पाएगा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा गांवों के विकास और जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर इसका पालन होता नहीं दिख रहा है। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से मामले की जांच कर पंचायत कार्यालय में नियमित उपस्थिति सुनिश्चित कराने तथा लंबित विकास कार्यों को शीघ्र पूरा कराने की मांग की है।

इस संबंध में पंचायत सचिव का पक्ष भी सामने आया है, जिसमें उन्होंने अपने निवास स्थान पर होने की जानकारी दी। अब देखना होगा कि संबंधित विभाग इस मामले में क्या कार्रवाई करता है।

शिक्षा के दम पर पाया मुकाम, पूर्व छात्रों ने बताई गुरु की महत्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ बसना

फुलझर उच्चतर माध्यमिक

- **2004 बैच के 50 प्रतिशत छात्र शासकीय सेवा में, सिरको रिसोर्ट में जुटे**

विद्यालय के वर्ष 2004 बैच के कला एवं विज्ञान समूह के छात्र-छात्राओं ने शिक्षा के बूते समाज में एक मुकाम हासिल किया है। इस बैच के लगभग 50 प्रतिशत विद्यार्थी आज शासकीय सेवा में कार्यरत हैं, जबकि अन्य साथी निजी कंपनियों में उच्च पदों पर और राजनीति के क्षेत्र में बड़ा मुकाम हासिल कर चुके हैं। बरसों बाद ये सभी सफल साथी सिरको रिसोर्ट में आयोजित स्नेह मिलन सम्मेलन में एक मंच पर नजर आए। समारोह में पुराने मित्रों ने अपने गुरुजनों को याद किया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों से मिली सीख और विद्यालय के संस्कारों के कारण ही वे आज इस मुकाम पर पहुंचे हैं। सभी ने माना कि एक बेहतर भविष्य का निर्माण केवल गुरु और विद्यालय के मार्गदर्शन से ही संभव है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रचना जैन, विजय राजपूत, आरती उजाला, हियाल, मीरा साहू, सविता सतपथी, रुखमणी नाग, रजनी नाग, कमल निषाद, प्रहलाद देवांगन, किरण दुर्गा समल, दिनेश, सत्यम, देवेश, विकास, सहदेव, प्रवीण साहू सहित कला एवं विज्ञान समूह के अनेक सहपाठी उपस्थित रहे।

डाइट में विश्व धूम्रपान निषेध दिवस पर व्याख्यान का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) में प्राचार्य अरुण कुमार प्रधान, उपप्राचार्य उमादेवी शर्मा के निर्देशन एवं साहित्यिक प्रभारी एवं कार्यक्रम समन्वयक व्याख्याता टेकराम सेन के संयोजन में अंतरराष्ट्रीय धूम्रपान निषेध दिवस पर व्याख्याता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्राध्यापकों को संबोधित करते हुए प्राचार्य प्रधान ने कहा कि हम सभी राष्ट्र निर्माता है इसलिए हमें तंबाकू एवं तंबाकू से निर्मित विभिन्न उत्पादों का निषेध करना चाहिए। उन्होंने कहा कि डाइट के छात्राध्यापक भावी शिक्षक है और भावी शिक्षक होने के नाते समाज को जागरुक करना हमारा कर्तव्य होना चाहिए।

उपप्राचार्य शर्मा ने कहा कि तंबाकू के सेवन से समाज गंभीर बीमारियों से ग्रस्त है एवं सभी के लिये चिन्ता का विषय है। अंतरराष्ट्रीय धूम्रपान निषेध दिवस पर हम सभी को संकल्प लेनी चाहिए कि राष्ट्र निर्माण में हमारा

योगदान हो। कार्यक्रम समन्वयक टेकराम सेन ने अपने साहित्यिक अंदाज में छात्राध्यापकों को प्रेषित किया। उन्होंने कहा कि धुएं से जलता जाए रे भविष्य हमारा, इस धुएं को दूर भगाए रे भविष्य हमारा (भावी शिक्षक)। उन्होंने कहा कि यह समय हमारे लिये संकल्प का है कि न हम स्वयं तंबाकू का सेवन करे, बल्कि समाज व परिवार को भी इससे बचाएं। इस अवसर पर सहायक प्राध्यापक के सिंग, सुलमा द्विवेदी, राजेश चंद्राकर, व्याख्याता संतोष साहू, किरण कन्नौजे, सुमन दीवान, दुर्गा सिन्हा, तिलोतमा प्रधान, लक्ष्मी सिन्हा, ईश्वर चंद्राकर, झरना साहू ने भी छात्राध्यापकों को संबोधित किया। छात्राध्यापक मीना ठाकुर के नेतृत्व में सभी छात्राध्यापकों ने धूम्रपान से परिवार व समाज को बचाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर हीमन, अजय, उदित सहित छात्राध्यापक शुभम पोर्ते, धर्मेंद्र जगत, घनश्याम पटेल, अनिकेत कंवर, टोमन भंजारी, मीना ठाकुर, माधुरी मंडावी, भावना दीवान, भारती कालसा, प्रीति सिंह सहित द्वितीय वर्ष के छात्राध्यापकगण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम समन्वयक व्याख्याता टेकराम सेन ने किया। उक्त जानकारी जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान की ओर से व्याख्याता संतोष साहू ने दी है।

शासकीय उचित मूल्य दुकानों में किया जाएगा खाद्यान्न वितरण शीघ्र

महासमुंद। माह नवंबर 2025 के सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) अंतर्गत खाद्यान्न वितरण के संबंध में खाद्य निरीक्षक पिथौरा ने बताया कि पिथौरा विकासखंड की सहकारी समितियों द्वारा संचालित 19 शासकीय उचित मूल्य दुकानों में सहकारी समिति कर्मचारियों की हड़ताल के कारण निर्धारित अवधि में खाद्यान्न वितरण कार्य पूर्ण नहीं हो पाया था। उन्होंने बताया कि हितग्राहियों को खाद्यान्न प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर आवश्यक पत्राचार किया गया। माह नवंबर 2025 के वितरण के लिए माह दिसंबर 2025 में विकल्प प्रदान किए जाने के लिए 13 दिसंबर 2025 को कार्यालय कलेक्टर (खाद्य शाखा) को पत्र प्रेषित किया गया था। इसके अलावा जिला स्तर से भी संचालनालय को 02 दिसंबर 2025 एवं 15 दिसंबर 2025 को पत्र भेजकर माह नवंबर 2025 के लंबित वितरण के लिए विकल्प उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था। जैसे ही संचालनालय स्तर से माह नवंबर 2025 के वितरण के लिए आवश्यक विकल्प प्राप्त होगा, वैसे ही हितग्राहियों को माह नवंबर 2025 का खाद्यान्न वितरण शीघ्रता से सुनिश्चित किया जाएगा। इस संबंध में हितग्राहियों को जानकारी दी जाएगी।

बिजली नियामक आयोग में चल रहा मंथन

लगेगा महंगी बिजली का झटका, इस माह नया टैरिफ जारी करने की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेशभर के बिजली उपभोक्ताओं को इस माह जून से महंगी बिजली का झटका लग सकता है। नए सत्र के लिए बिजली का नया टैरिफ जारी करने की बिजली नियामक आयोग में तैयारी चल रही है। जून में कभी भी इसको जारी किया जा सकता है। आयोग तय करेगा कि नया टैरिफ जून से लागू होया या फिर अगले माह जुलाई से। टैरिफ पर फैसला करने में इसलिए विलंब हो रहा है, क्योंकि आयोग में छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनियों ने अपने आने वाले चार साल का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया है। इसका आकलन करने में ज्यादा समय लग रहा है। इसी के साथ नए सत्र के लिए 63 सौ करोड़ घाटे की याचिका के कारण भी इसके मंथन में विलंब हो रहा है। नियमों के मुताबिक जब पॉवर कंपनी नए सत्र के लिए टैरिफ का लेखा-जोखा नियामक आयोग में देती है तो उसको चार साल के खर्च का हिसाब देना रहता है। एक बार चार साल का लेखा-जोखा देने के बाद फिर हर साल चार साल का लेखा-जोखा देने की जरूरत नहीं होती है। इसके समाप्त होने पर ही फिर से चार साल का लेखा-जोखा देना पड़ता है।

अलग खबर

इस तरह हर साल बढ़ेगा खर्च

पॉवर कंपनी ने अपनी याचिका में बताया है कि उसको 2026-27 के लिए 25460.30 करोड़ के राजस्व की जरूरत है। इसमें सबसे ज्यादा 21150.81 करोड़ का खर्च बिजली खरीदने पर होगा। इसी के साथ 3250.34 करोड़ संचारण एवं संधारण का खर्च है। 429.50 करोड़ का ब्याज, 1116.15 करोड़ अन्य व्यय होगा। इसके बाद 2027-28 में बिजली खरीदी पर 22437.96 करोड़ का खर्च होगा। इसके बाद 3614.89 करोड़ संचारण एवं संधारण खर्च, 1259.58 करोड़ अन्य खर्च और 518.27 करोड़ का खर्च ब्याज पर होगा। इस सत्र में कुल 27306.02 करोड़ का खर्च होगा। 2028-29 में 24964.63 करोड़ का खर्च बिजली खरीदी पर होगा। संचारण एवं संधारण का खर्च भी बढ़कर 3940.21 करोड़ होगा। अन्य खर्च जहां 1381.35 होगा वहीं ब्याज पर 587.62 करोड़ लगेंगे। ऐसे में कुल मिलाकर 30307.93 करोड़ के राजस्व की जरूरत होगी। इसी तरह से 2029-30 के सत्र में सबसे ज्यादा 27179.48 करोड़ का खर्च बिजली खरीदी पर लगेगा।

63 सौ करोड़ घाटे की याचिका

पॉवरकंपनी ने नए सत्र 2026-27 के लिए पूरा लेखा-जोखा बनाकर नियामक आयोग में नए टैरिफ के लिए याचिका दायर की है। इस याचिका में बताया गया है कि प्रचलित दर से 26216 करोड़ का राजस्व मिलने की संभावना है। इसी के साथ साल भर का खर्च 25460 करोड़ बताया गया है। ऐसे में 756 करोड़ का फायदा होगा। लेकिन इसी के साथ पिछले सत्रों की अंतर की राशि का उल्लेख करते हुए बताया गया है कि नए सत्र के फायदे को पुराने अंतर की राशि में कम करने के बाद भी 63 सौ करोड़ के राजस्व की और जरूरत होगी। नए सत्र में 26 सौ करोड़ का राजस्व मिलेगा,पुराना घाटा 63 सौ करोड़ है, ऐसे में नए सत्र के लिए कुल 32 हजार पांच सौ करोड़ से ज्यादा के राजस्व की जरूरत बताई गई है।

स्वास्थ्य सेवाओं में मुंगेली बना प्रदेश का मॉडल, स्वास्थ्यांक ग्रेडिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

स्वास्थ्य विभाग की टीम भावना से किए गए कार्यों के परिणामस्वरूप मुंगेली जिला प्रदेश के उत्कृष्ट स्वास्थ्य जिलों में अपनी मजबूत पहचान बना चुका है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत संचालित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन और 50 प्रमुख स्वास्थ्य सूचकांकों पर उपलब्धि हासिल करने के कारण मुंगेली जिला वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रदेश के सर्वश्रेष्ठ जिलों की श्रेणी में शामिल हुआ है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जारी 'स्वास्थ्यांक' ग्रेडिंग में मुंगेली जिले को 'अचीवर्स' श्रेणी में स्थान प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुसार स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने के लिए 'मुख्यमंत्री अटल मॉनिटरिंग पोर्टल' के माध्यम से प्रमुख स्वास्थ्य सूचकांकों की सतत समीक्षा की जा रही है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा है कि मुंगेली जिले की यह उपलब्धि न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतर व्यवस्था का प्रमाण है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि संवेदनशील प्रशासन, सतत मॉनिटरिंग और टीमवर्क के माध्यम से जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। मुंगेली ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों में गर्भवती महिलाओं के पंजीयन में 98 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की गई, जबकि संस्थागत प्रसव का प्रतिशत 99.98 रहा। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत चिरायु दल द्वारा चिन्हित 99.9 प्रतिशत बीमार बच्चों का उपचार भी सुनिश्चित किया गया।

कांग्रेस ने कहा- स्काईवॉक तोड़कर बनाएं फ्लाईओवर

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि स्काई वॉक शहर की जनता की गले की हड्डी बन चुका है। रोज इसके पैनल गिर रहे हैं। राहगीरों की जान खतरे में पड़ी रहती है। भाजपा सरकार अपनी जिद छोड़े और शहर की जनता से माफी मांगकर स्काई वॉक तोड़कर वहां फ्लाईओवर बनाए, जिसकी आज जरूरत है। उन्होंने कहा, स्काईवॉक भाजपा के भ्रष्टाचार की स्मारक के रूप में छत्तीसगढ़ की जनता के सामने खड़ा है। तत्कालीन भाजपा सरकार द्वारा बिना किसी आवश्यकता के रायपुर शहर में एक स्काईवॉक बनाने का प्रोजेक्ट तैयार किया गया।

ईपीएफ प्रकरणों में श्रमिकों की बैठक

लंबित मामलों पर चर्चा

रायपुर। नगर निगम गार्डन में रविवार को लोक निर्माण विभाग विद्युत एवं यांत्रिकी संभाग रायपुर के दैनिक श्रमिकों एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण बैठक हुई। यह बैठक सर्व विभागीय दैनिक श्रमिक कल्याण संघ, छत्तीसगढ़ के नेतृत्व में की गई। बैठक में प्रांत कार्यकारिणी के पदाधिकारी, विभिन्न संभागों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में प्रभावित श्रमिक शामिल हुए। बैठक में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन द्वारा वर्ष 2021 से 2024 की अवधि के संबंध में जारी नोटिस, विभागीय स्थिति, पात्र श्रमिकों के ईपीएफ अंशदान तथा लंबित प्रकरणों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी दिनों में संबंधित विभागीय अधिकारियों, प्रमुख अभियंता, सचिव लोक निर्माण विभाग एवं ईपीएफ अधिकारियों से पुनः समन्वय स्थापित कर प्रकरण के त्वरित निराकरण के लिए प्रभावी पहल की जाएगी। संगठन ने सभी श्रमिकों से एकजुट रहने तथा आवश्यक दस्तावेज समय पर उपलब्ध कराने का आग्रह किया है, ताकि लंबित ईपीएफ राशि एवं अन्य वैधानिक लाभों की प्राप्ति की प्रक्रिया को गति मिल सके। बैठक में संघ के प्रांताध्यक्ष राकेश साहू ने कहा कि संगठन श्रमिकों के वैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। ईपीएफ जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र श्रमिक तक पहुंचाना संगठन की प्राथमिकता है।

निर्वाचन की सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी द्वारा महिला नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित महासमुंद पंजीयन क्रमांक 16 के मण्डल के सदस्यों के निर्वाचन हेतु प्रथम मतदाता सूची का प्रकाशन कार्यालय महिला नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित महासमुंद, कार्यालय उपायुक्त सहकारिता एवं उप पंजीयक, सहकारी संस्थाएं महासमुंद, कार्यालय जनपद पंचायत विकासखण्ड महासमुंद एवं कार्यालय जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित रायपुर शाखा महासमुंद के सूचना पटल पर कर दी गई है । प्रकाशित सूची के संबंध में दावा आपत्ति लिखित सप्रमाण दिनांक 01/06/2026 से 10/06/2026 तक कार्यालयीन समय में बैंक के सहायक प्रबंधक श्री योगेश कुमार रावल को अथवा मुझे कार्यालय उपायुक्त सहकारिता एवं उप पंजीयक, सहकारी संस्थाएं महासमुंद में प्रस्तुत कर सकते हैं । सूची पर प्रस्तुत दावे एवं आपत्तियों का निराकरण कार्यालय महिला नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित स्टेशन रोड, महासमुंद में दिनांक 11/06/2026 को दोपहर 12.30 बजे पर किया जायेगा। सदस्यों द्वारा दिनांक 12/06/2026 से आगामी 3 कार्यालयीन दिवस में समन्वयक एवं संयुक्त आयुक्त सहकारिता एवं संयुक्त पंजीयक सहकारी संस्थाएं रायपुर संभाग रायपुर में प्रकाशित सूची के संबंध में अपील किया जा सकता है ।

(मनोज नायक)
रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, महिला नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित
महासमुंद (छ.ग.) पं.क्र.16

आज दशगात्र

अत्यंत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे पूजनीय पिताजी
श्री दुकालू राम साहू जी
(सेवानिवृत्त शिक्षक) का स्वर्गवास दि. 27.05.2026 दिन बुधवार को हो गया है। जिसके कार्यक्रम में आप सहपरिवार उपस्थित होकर मृतात्मा को शांति प्रदान करें-

कार्यक्रम- दशगात्र दिनांक - 02/06/2026
दिन मंगलवार स्थान- निज निवास ग्राम लाफिन खुर्द जिला महासमुंद
टीप:- तालाब कार्यक्रम 12 बजे

-शोकाकुल परिवार-
नीलमणि, राहुल, मोहन, रिखी, भेखलाल, भुनेश्वर, वेदप्रकाश, बबलू, मोनू, यशराज, जिगर, वंश, एवं समस्त साहू परिवार

-विनीत-
भारतभूषण-भारती (पुत्र-बहू)
भीम - झम्मन (पुत्र-बहू)
मो. 8827681912, 8878697143

विनीत :- आरके ट्रेडर्स एवं भीम किराना स्टोर्स, लाफिनखुर्द
नोट : जिन स्नेहीजनों को शोकपत्र न मिला हो, कृपया इसे ही स्वीकार करें...

HEALTH TOWN

DR. ABHIMANYU'S
AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN
> वात रोग > घुटने के दर्द > पीठ व कमर दर्द > स्पॉन्डिलाइटिस > लिगामेंट के दर्द
> साइटिका > गोल्फ एल्बो > फ्रोजन शोल्डर > शरीर मे जकड़न
जोड़ों, नसों, मांसपेशियों के सभी प्रकार के दर्द का इलाज
सिटी सेन्टर - कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666
सेक्टर -7 कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003

Piles Care Clinic
ISO 9001:2015 Certified Clinic
Unit of Dr Abhimanyu's Pain Relief Center
बिना चीरफाड़ के बवासीर (पाइल्स), फिस्टुला (भगंदर) फिशर्स, पिलोनिडल साइनस का
लेज़र मशीन /क्षार सूत्र द्वारा आपरेशन की सुविधा
लेडिस डॉक्टर उपलब्ध

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

बाल सुरक्षा दिवस मनाया गया

महासमुंद। ग्राम खरोरा में बाल सुरक्षा दिवस मनाया गया। बच्चों को संस्कार के बारे में बताया गया। हर साल 1 जून को विश्व बाल सुरक्षा दिवस मनाया जाता है। इस दौरान पिंकी ढीमर, ज्योति ढीमर, सौभाग्या ढीमर आदि मौजूद रहे।

गनेकेरा में बकरी बाजार के लिए एक साल तक संचालन की मिली अनुमति

महासमुंद। जिले विकासखंड बसना अंतर्गत ग्राम पंचायत गनेकेरा द्वारा संचालित किए जाने वाले बकरी बाजार को निर्धारित नियमों एवं शर्तों के अधीन 26 मई 2026 से 25 मई 2027 तक संचालन की अनुमति कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने प्रदान की है। सीईओ जनपद तथा जिला पशु बाजार मॉनिटरिंग समिति की अनुशंसा के आधार पर यह अनुमति दी गई है। मिली जानकारी के अनुसार बकरी बाजार का संचालन प्रत्येक मंगलवार प्रातः 3 से 10 बजे तक किया जाएगा। बाजार स्थल पर पशुओं के परिवहन के दौरान प्रचलित नियमों एवं पशु क्रूरता निवारण अधिनियम का पालन, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने, मृत पशुओं के उचित निपटान तथा बाजार परिसर में स्वच्छता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही अवैध गतिविधियों, अवैध पशु परिवहन अथवा प्रतिबंधित पशुओं के क्रय-विक्रय पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने कहा है कि बाजार संचालन से आमजन को किसी प्रकार की असुविधा, यातायात बाधा अथवा सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। निर्धारित शर्तों का उल्लंघन पाए जाने पर बिना पूर्व सूचना के बाजार संचालन की अनुमति निरस्त की जा सकेगी।

सामूहिक छुट्टी के कारण तहसील में कामकाज ठप

दुर्गकोंदल। नायब तहसीलदार तुषार मानिक प्रकरण में आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने के विरोध में सोमवार को प्रदेशभर के तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार सामूहिक अवकाश पर रहे। इसके चलते दुर्गकोंदल तहसील सहित प्रदेश के सभी तहसील कार्यालयों में राजस्व कार्य प्रभावित रहे। राजस्व न्यायालयों की सुनवाई, जाति, निवास, आय प्रमाण पत्र, भूमि सत्यापन एवं अन्य सेवाएं बाधित रहीं। दूर-दराज से पहुंचे ग्रामीणों और किसानों को निराश होकर लौटना पड़ा।

चिरायु दल की पहल से 7 माह के मासूम राजकुमार को मिला नया जीवन, मुंबई में हुआ निःशुल्क ऑपरेशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पिथौरा (ग्रामीण)

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) अंतर्गत कार्यरत चिरायु दल पिथौरा की सक्रियता और संवेदनशीलता से 7 माह के एक गंभीर हृदय रोग से पीड़ित मासूम को नया जीवन मिला। दल के प्रयासों से बच्चे का मुंबई के प्रतिष्ठित अस्पताल में निःशुल्क हृदय ऑपरेशन कराया गया, जो सफल रहा। वर्तमान में बच्चा पूरी तरह स्वस्थ है।

जानकारी के अनुसार ग्राम खपराखोल ठाकुरदिया निवासी राजकुमार साहू (7 माह) पिता गोवर्धन साहू एवं माता दीपा साहू का स्वास्थ्य परीक्षण चिरायु दल द्वारा किया गया। जांच के दौरान आयुष चिकित्सा अधिकारी डॉ. वीरेंद्र प्रजापति ने बच्चे में गंभीर स्वास्थ्य समस्या के संकेत मिलने पर उसे शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रदीप बिशाल को दिखाया। विशेषज्ञ जांच में बच्चे के हृदय में जन्मजात गंभीर बीमारी की पुष्टि हुई। रायपुर के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने बच्चे की कम उम्र और

बीमारी की गंभीरता को देखते हुए उच्च स्तरीय उपचार की आवश्यकता बताई। इसके बाद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आई नागेश्वर राव के निर्देशन तथा जिला कार्यक्रम प्रबंधक नीलू घृतलहरे, जिला सलाहकार अनुपम शर्मा एवं खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. तारा अग्रवाल के मार्गदर्शन में चिरायु दल ने त्वरित दस्तावेजी प्रक्रिया पूरी कर बच्चे को मुंबई रेफर कराया।

मुंबई स्थित एसआरसीसी चिल्ड्रंस हॉस्पिटल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने बच्चे के हृदय की सफल सर्जरी की। उपचार की पूरी प्रक्रिया निःशुल्क रही। ऑपरेशन के बाद बच्चे के स्वास्थ्य में लगातार सुधार हुआ और अब वह पूरी तरह स्वस्थ है। हाल ही में चिरायु दल पिथौरा की टीम ने बच्चे के घर पहुंचकर उसके स्वास्थ्य का फॉलोअप किया। इस दौरान डॉ. वीरेंद्र प्रजापति, डॉ. तनूजा चंद्राकर, फार्मासिस्ट लेखरंजन पटेल, एएनएम राजकुमारी बंजारे एवं लैब टेक्नीशियन बेनूराम सिन्हा उपस्थित रहे। बच्चे के नाना दुकालू साहू, परनाना भगतराम साहू सहित परिवार के अन्य सदस्यों ने स्वास्थ्य विभाग और चिरायु दल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समय पर मिली सहायता और मार्गदर्शन से उनके बच्चे को नया जीवन मिला है। चिरायु दल की यह पहल राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की प्रभावशीलता और स्वास्थ्य विभाग की जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता का उदाहरण है। यह मामला दर्शाता है कि समय पर पहचान, उचित परामर्श और त्वरित रेफरल से गंभीर बीमारियों से ग्रसित बच्चों का सफल उपचार संभव है। उक्त जानकारी विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक जयकांत विश्वकर्मा ने दी है।

चर्चा: नशामुक्त भारत अभियान अंतर्गत गठित जिला स्तरीय समिति की मासिक बैठक

कोटपा अधिनियम का कड़ाई से पालन करने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

नशामुक्त भारत अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक कलेक्टर विनय कुमार लंगेह की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ हेमंत नंदनवार, अपर कलेक्टर सचिन भूतड़ा, रवि साहू सहित समिति के सदस्य एवं सदस्य सचिव उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर लंगेह ने जिले में नशामुक्त भारत अभियान की प्रगति एवं कार्ययोजना की समीक्षा करते हुए सभी विभागों एवं स्वैच्छिक संस्थाओं के समन्वय से व्यापक जनजागरुकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा ग्राम पंचायतों में

विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने पर जोर दिया।

कलेक्टर ने शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थानों के 100 मीटर के दायरे में सिगरेट तथा अन्य मादक पदार्थों के विक्रय पर प्रतिबंध का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही नशीली दवाइयों की अवैध उपलब्धता एवं बिक्री की जानकारी जुटाकर आवश्यक कार्रवाई करने तथा सभी शासकीय एवं अशासकीय संस्थानों में कोटपा अधिनियम के प्रावधानों का सख्ती से पालन कराने को कहा। बैठक में स्कूल शिक्षा विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर जिले के सभी शासकीय एवं निजी विद्यालयों में विद्यालय स्तरीय नशामुक्ति समितियों के गठन का निर्णय लिया गया। इसके तहत कक्षा 6वीं से 12वीं तक प्रत्येक कक्षा से एक-एक मास्टर वॉलंटियर तथा एक शिक्षक को नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। ताकि, विद्यार्थियों को प्रारंभिक अवस्था से ही नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जा सके।

बैठक के दौरान समिति द्वारा नशामुक्त भारत अभियान के प्रभावी संचालन के लिए तैयार कार्ययोजना का अनुमोदन भी किया गया।

तंबाकू या धूम्रपान व्यक्ति के मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य पर भी डालता है नकारात्मक असरः करुणा

महासमुंद। शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 31 मई 2026 विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर महाविद्यालय में इंडियन यूथ रेडक्रॉस सोसायटी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना संयुक्त इकाई के सयुंक्त तत्वावधान में विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया।

कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. करुणा दुबे ने कहा कि सेहत के लिए तंबाकू का सेवन जानलेवा हो सकता है। तंबाकू या धूम्रपान व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य के साथ ही शारीरिक सेहत पर भी नकारात्मक असर डालता है। हालांकि, ये

बात जानते हुए भी दुनियाभर में बड़ी संख्या में लोग किसी न किसी रूप से तंबाकू का सेवन कर रहे हैं। लोगों में बीड़ी, सिगरेट और गुटखा आदि के सेवन से कई तरह की बीमारियां होने का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने अवगत कराया गया कि धूम्रपान करने से धमनियां कमजोर होने लगती हैं और कोरोनरी हार्ट डिजीज और स्ट्रोक हो सकता है। कुछ अध्ययनों में पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक स्तर पर बढ़े हार्ट अटैक के लिए धूम्रपान को भी एक संभावित कारक बताया गया है। इसके अलावा तंबाकू का उपयोग से कैंसर या फेफड़े की बीमारी भी हो सकती है। प्राचार्य प्रो करुणा दुबे द्वारा तंबाकू सेवन नहीं करने के लिए सभी को शपथ दिलाते हुए कहा कि अपने साथ-साथ दूसरों को भी जागरूक करें।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ रीता पांडेय कला संकाय प्रमुख, डॉ मालती तिवारी जिला संगठक रासेयो, मनीराम धीवर, डॉ. ईपी चेलक विज्ञान संकाय प्रभारी, प्रदीप कन्हेर, सरस्वती सेठ, अजय कुमार देवांगन, मनबोध चौहान, दिलीप बढ़ई, मुकेश साहू, टीकम साहू, प्रकाशमणि साहू, रोहित ढीमर, पूजा यादव सहित महाविद्यालय के कर्मचारी, अधिकारी उपस्थित रहे। मंच संचालन राजेश्वरी सोनी कार्यक्रम अधिकारी रासेयो ने किया।

पीआईसी की बैठक में एक दर्जन से अधिक कार्यों को मिली स्वीकृति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बागबाहरा

नगर पालिका परिषद में प्रेसिडेंट इन काउंसिल की बैठक नगर पालिका अध्यक्ष खिलेश्वरी ताम्रध्वज बघेल की अध्यक्षता बैठक सोमवार को हुई। बैठक में विकास कार्यों पर चर्चा हुई और करोड़ों के विकास कार्यों के निविदा दरों, स्वीकृति प्रदान की गई। नगर पालिका अध्यक्ष खिलेश्वरी ताम्रध्वज बघेल ने कहा कि शहर में विकास कार्य के लिए कोई कमी नहीं आनी चाहिए। शहर को महानगर की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है। इसमें नागरिकों की हर सुविधा का ध्यान रखा गया है। नगर पालिका के सभाकक्ष में आयोजित बैठक के दौरान एक दर्जन से अधिक कार्यों को निविदा दरों स्वीकृति प्रदान की गई है। विधायक निधि अंतर्गत वार्ड क्र. 06 सार्वजनिक सामुदायिक भवन निर्माण कार्य, विधायक निधि अंतर्गत वार्ड क्र. 15 सार्वजनिक सामुदायिक भवन निर्माण कार्य, 15वें वित्त आयोग मद अंतर्गत जेम पोर्टल के माध्यम से 05 नग ई-रिक्शा क्रय, वार्ड क्र. 04 में रेलवे स्टेशन से ढांगा डिपरा तक बीटी रोड निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 04 में ढांगा डिपरा तालाब सौंदर्यीकरण कार्य, वार्ड क्र. 06 में मेन रोड से ह्यूमन प्राईड स्कूल तक बीटी रोड निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 06 में शिव मंदिर तालाब सौंदर्यीकरण कार्य, वार्ड क्र. 13 में आजाद चौंक से रेलवे स्टेशन तक बीटी रोड निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 15 में शेड निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 15 में व्यवहार न्यायालय से मंडी तालाब तक बीटी रोड निर्माण कार्य वार्ड क्र.15 में आरपी दुबे घर से ट्रांसफार्मर तक नाली निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 09 में फैमिली ढाबा के पास सामुदायिक भवन निर्माण कार्य शामिल है। बैठक में प्रमुख रूप से नगर पालिका अध्यक्ष खिलेश्वरी बघेल, उपाध्यक्ष देवेश साहू, सभापति गण शैलेश साहू, मंता यादव, मेनका साहू, मिथुन अमीर, रमेश ठाकुर, शिवा जगत, सीएमओ गिरीश चंद्रा, उपअभियंता दीपक अग्रवाल व लेखापाल चंद्र मिर्धा उपस्थित थे।

बिना अनुमति शहर में चल रहे सैप्टिक टैंक सफाई वाहन की जांच, नपा ने दी चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

नगर पालिका क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था एवं नागरिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू के निर्देश पर स्वच्छता प्रभारी दिलीप चंद्राकर एवं स्वच्छ भारत मिशन के नौशाद बक्श द्वारा बिना आवश्यक अनुमति प्राप्त किए सैप्टिक टैंक की सफाई कार्य के लिए संचालित किए जा रहे आंध्र प्रदेश पंजीयन वाले वाहन की जांच की गई।

जांच के दौरान वाहन संचालक से आवश्यक दस्तावेज एवं नगर पालिका से प्राप्त अनुमति संबंधी जानकारी मांगी गई। वाहन द्वारा निर्धारित प्रक्रिया एवं आवश्यक अनुमति प्राप्त किए बिना कार्य किए जाने की स्थिति पाए जाने पर संचालक को कड़ी चेतावनी

दी गई तथा भविष्य में सभी वैधानिक औपचारिकताएं पूर्ण करने के बाद ही कार्य करने के निर्देश दिए गए। इस संबंध में डिप्टी कलेक्टर सह मुख्य नगर पालिका अधिकारी मनोज कुमार खांडे ने स्पष्ट किया है कि नगर क्षेत्र में सैप्टिक टैंक सफाई सहित किसी भी प्रकार की सेवा गतिविधि निर्धारित नियमों एवं अनुमति के अनुरूप ही संचालित की जाएगी।

नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों एवं संस्थाओं के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। नगर पालिका ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे केवल अधिकृत एवं नियमों के अनुरूप संचालित सेवाओं का ही उपयोग करें तथा किसी भी अनियमित गतिविधि की सूचना तत्काल नगर पालिका को दें।

विद्युत समस्या क़ो लेकर ने अधिकारी को सौंपा गया ज्ञापन

बागबाहरा। शहर में विद्युत व्यवस्था दुरुस्त करने एवं शिकायत नंबर पर काल रिसीव नहीं करने को लेकर नगर पालिका परिषद बागबाहरा के पार्षद रुपेश (प्रेम) साहू, थानूराम पांडे, पूर्व पार्षद लोकेश्वर चंद्राकर ने विद्युत विभाग के अधिकारी सिदार से मुलाक़ात कर शहर में विद्युत क़ो लेकर हो रही विभिन्न समस्याओ से अवगत कराते हुए जल्द उसका निराकरण करने के लिए ज्ञापन सौंपा। प्रेम साहू ने बताया कि शासन विद्युत समस्या से निपटने के लिए हर सामग्री व सुविधा प्रदान कर रही है। उसके बाद भी शहर की विद्युत व्यवस्था चरमरा गई है। जिस पर विद्युत विभाग के अधिकारी सिदार ने बताया कि बहुत जल्द व्यवस्था सुधर जाएगी और मेंटेनेंस का कार्य जल्द प्रारंभ हो रहा है। विद्युत तार पर पेड़ गिरने की समस्या आ रही है, वो भी लगभग खत्म हो जाएगी। उन्होंने आश्वास्त किया कि बहुत जल्द इन समस्याओं पर निजात दिलाने के लिए प्रयास किया जा रहा है।

खेड़ीगांव से चौकबेड़ा तक बनेगी नई सड़क, हुआ भूमिपूजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

क्षेत्र के ग्रामीणों को बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए खल्लारी विधायक द्वारिकाधीश यादव ने ग्राम खेड़ीगांव से चौकबेड़ा तक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत बनने वाली सड़क का भूमिपूजन किया। इस सड़क का निर्माण लगभग 1 करोड़ 98 लाख रुपए की लागत से किया जाएगा।

गौरतलब है कि खेड़ीगांव से चौकबेड़ा मार्ग के निर्माण की मांग ग्रामीणों द्वारा लंबे समय से की जा रही थी। ग्रामीणों की इस

आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए विधायक द्वारिकाधीश यादव ने सड़क निर्माण के लिए स्वीकृति दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक यादव ने कहा कि सड़क निर्माण से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी। साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंच भी आसान होगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए हरसंभव प्रयास किया जा रहा हैं। सड़क बनने से क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी तथा ग्रामीणों को वर्षभर सुगम यातायात की सुविधा प्राप्त होगी।

ग्रामीणों ने सड़क निर्माण कार्य शुरू होने पर खुशी व्यक्त करते हुए विधायक यादव का आभार जताया। सड़क निर्माण से खेड़ीगांव, चौकबेड़ा सहित आसपास के गांवों के लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला पंचायत सदस्य करन सिंह दीवान, संजय अग्रवाल, जनपद सदस्य पिथौरा हेमकरण दीवान, सरपंच सोपेद्र दीवान, उपसरपंच प्रतीक पटवा, संतोष यादव, रुद्र कुमार दीवान, लीला राम, खीर राम यादव, बलदाऊ राम यादव, शंकर दीवान, मोहन नायक, लखन यादव, अशोक दीवान, गणेश राम दीवान, मिलाप सिंह दीवान, नारायण गिरि, बलदाऊ यादव, लोकनाथ यादव, खाससिंह दीवान, भुवन निषाद, राजाराम यादव, चिंता राम दीवान, राधा बाई यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद थे।

राजधानी रायपुर में रोजगार मेला 5 को दिव्यांगजनों के लिए सुनहरा अवसर

महासमुंद। विशेष रोजगार कार्यालय रायपुर द्वारा दिव्यांगजनों के लिए 5 जून 2026 को रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। डॉ. शशि अतुलकर उपसंचालक रोजगार, विशेष रोजगार कार्यालय रायपुर ने बताया कि यह रोजगार मेला 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक शासकीय कन्या पॉलिटेक्निक कॉलेज बैरन बाजार, रायपुर में आयोजित होगा। रोजगार मेले में अस्थिबाधित, बौने, कम सुनने वाले (श्रवण यंत्र की सहायता से) तथा देखने में कठिनाई वाले (चश्मे की सहायता से) दिव्यांगजनों को रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे। मेले में क्रेडालिस कैपिटल प्राली, आई ट्रेड टेलीमेटिक्स निगरानी जीपीएस, रामा उद्योग प्राली, बारबरिक ट्रांसफॉर्मर्स, अविनाश डेवलपर्स प्राली, स्काई ऑटोमोबाइल (मारुति नेक्सा) एवं विश्वभारती ऑटोमोबाइल प्राली रायपुर सहित विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेंगी। मेले में चयनित अभ्यर्थियों को उनकी योग्यता एवं पद के अनुसार प्रतिमाह 11 हजार रुपए से 30 हजार रुपए तक वेतन प्रदान किया जाएगा। चयनित अभ्यर्थियों का कार्यक्षेत्र रायपुर एवं सिलतरा रहेगा। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ के ऐसे इच्छुक दिव्यांगजन, जिनकी आयु 18 से 40 वर्ष के बीच है तथा जो बिना व्हीलचेयर के चलने-फिरने में सक्षम हैं, रोजगार मेले में शामिल हो सकते हैं। मेले में भाग लेने के लिए ऑनलाइन आवेदन करना अनिवार्य है। अभ्यर्थियों को अपने साथ शैक्षणिक एवं तकनीकी योग्यता संबंधी प्रमाण-पत्र, दिव्यांगता प्रमाण-पत्र, स्थानीय निवासी प्रमाण-पत्र, रोजगार पंजीयन प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड की मूल एवं छायाप्रति तथा दो पासपोर्ट साइज फोटो लेकर उपस्थित होना होगा।